संस्थान में दिनांक 23.06.2018 को आयोजित हिंदी कार्यशाला एक रिपोर्ट

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में दिनांक 23.06.2018 को अंशदायी स्वास्थ्य सेवा योजना और आलेखन तथा टिप्पण एवं हिंदी वर्तनी पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला का आयोजन जून 2018 को समाप्त तिमाही के लिए किया गया । कार्यशाला में भौतिकी संस्थान के 16 कार्मिकों, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइजर) से 8 कार्मिक, एक संकाय सदस्य, एक चिकित्सक और भारी पानी संयंत्र, तालचेर से 3 कार्मिकों एवं 1 अधिकारी, परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय, ऑस्कम, छत्रपुर से दो कार्मिकों और ईंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड, छत्रपुर से दो कार्मिकों ने भाग लिया था । कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को परमाणु ऊर्जा विभाग की स्वास्थ्य सेवा योजना के बारे में और साथ ही साथ हिंदी में आलेखन तथा टिप्पण और हिंदी वर्तनी के बारे में जानकारी प्रदान करना है। प्रतिभागियों को लिखते समय होने वाली सामान्य गतलियों की जानकारी देते हुए भाषा को सही व शुद्ध रुप से लिखने के लिए प्रेरित करना था ।

(कार्यशाला के दौरान मंचासीन मुख्य अतिथि श्री समसन वर्गीज, मुख्य प्रशासन अधिकारी, भापाबो, प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक और श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार)

सबसे पहले कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार ने स्वागत भाषण प्रदान किया । प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक, नाइजर और आईओपी ने कार्यशाला का उद्घाटऩ किया ।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में श्री समसन वर्गीज, मुख्य प्रशासन अधिकारी, भारी पानी बोर्ड, मुबंई ने परमाणु ऊर्जा विभाग की स्वास्थ्य सेवा योजना के बारे में विस्तृत से चर्चा की । चर्चा के बाद प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम चला । प्रतिभागियों की जिज्ञासा व शंकाओं का समाधान किया ।

(अपना वक्तव्य प्रदान करते हुए श्री समसन बर्गीज, मुख्य प्रशासन अधिकारी)

(श्री समसन बर्गीज को स्मृतिचिह्न प्रदान किया जाता है

दूसरे सत्र के व्याख्याता के रुप में श्री वीरेंद्र वी. कुलकर्णी, उप-निदेशक (राजभाषा), भारी पानी बोर्ड, मुंबई ने आलेखन टिप्पण तथा हिंदी वर्तनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर देवनागरी लिपि के मानकीकरण पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को मानक देवनागरी लिपि की जानकारी दी । हिंदी में आलेखन तथा टिप्पण का अनेक उदाहरण की प्राक्टिस उन्होंने कराया ।

(अपना वक्तव्य प्रदान करते हुए श्री समसन बर्गीज, मुख्य प्रशासन अधिकारी)

अंत में उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रतिभागी कार्यशाला से अवश्य लाभान्वित हुए होंगे तथा भविष्य में भाषा लेखन में होने वाली सामान्य त्रुटियों से बचेंगे। यह सूचित किया कि कार्यशाला के उपरांत भी इस संबंध में इस संबंध में किसी भी समस्या के लिए निःसंकोच राजभाषा प्रकोष्ठ से संपर्क किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

(श्री कुलकर्णी के स्मृतिचिह्न प्रदान करते हुए प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक)

(श्री कुलकर्णी जी अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए)

(कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागीगण)

अंत में श्री भगबान बेहेरा, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने सभी प्रतिभागियों, व्याखाताओं और अतिथियों को धन्यवाद दिया और कार्यशाला के आयोजन में सहयोग करने वाले ओडिशा स्थि परमाणु ऊर्जा विभाग के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों व सहकर्मियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया ।

00==00